विषय— हिन्दी कक्षा— 4 टर्म— 4

पाठ/अवधारणा/थीम/घटक पाठ 14 निराला राजस्थान दिनांक .... से ....तक

<table>
<tr><th colspan="3">शिक्षण आकलन योजना</th></tr>
<tr><td colspan="3">समूह 1 के बच्चों के रोल नं0 समूह 2 के बच्चों के</td></tr>
<tr><td colspan="3">सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण अधिगम उद्देश्य :—</td></tr>
<tr><td colspan="3">1. कविता को धारा प्रवाह गति से समझना। 2. राजस्थान की विशेषता एवं संस्कृति से परिचित होना। 3. राजस्थान के महापुरूषों के योगदान स्वामी भक्ति ; वीरता एवं त्याग के भाव तथा चम्बल के तीर्थों की महिमा को समझना।</td></tr>
<tr><td>सम्पूर्ण कक्षा के लिए प्रस्तावित गतिविधियॉ</td><td>सतत आकलन योजना</td><td>समीक्षा एवं अनुभव</td></tr>
<tr><td>(सामूहिक ; उपसमूह एवं व्यक्तिगत)</td><td></td><td>(बच्चों की सहभागिता/कठिनाई एवं योजना में बदलाव के बारे में)</td></tr>
<tr><td>सामूहिक कार्य—</td><td rowspan="7">बालकों के राजस्थान की विशेषता एवं संस्कृति की तथा पहापुरूषों की जानकारी का आकलन करना

पठन गति का एवं अर्थ—ग्रहण का आकलन करना

बालक के कार्य की जाँच करना एवं टिप्पणी करना</td><td rowspan="7">साप्ताहिक

......................से ....तक</td></tr>
<tr><td>1. शिक्षक राजस्थान के महापुरूषों के बारे में बालकों से बातचीत करेगा।(चित्रों के संदर्भ में)

2. शिक्षक कविता का हाव—भाव से वाचन करेगा तथा साथ—साथ बालक भी दोहरान करेगें।
3. प्रत्तेक पंक्ति का भावार्थ समझााना तथा कठिन शब्दों का अर्थ लिखकर समझाना।
4. प्रश्न करना जैसेः— 1.राजस्थान में कौन—कौनसे त्योहार मनाए जाते हैं ? 2.राजस्थान में कौन—कौनसे महापुरूष हुए नाम बताओ ? 3.हमारे लिए चम्बल नदी का क्या महत्व है ?</td></tr>
<tr><td>उपसमूह कार्य—</td></tr>
<tr><td>1. उपसमुह में सभी बालकों को हाव—भाव से कविता वाचन का निर्देश देना।
2. कठिन शब्दों को छाँटकर उच्चारण कर बार—बार लिखना।
3. कविता के किसी खण्ड का भावार्थ लिखना एवं प्रस्तुतिकरण करना।</td></tr>
<tr><td>व्यक्तिगत कार्य—</td></tr>
<tr><td>1. प्रत्येक बालक कविता का वाचन करेगा एवं अनुलेख करना।
2. राजस्थान के महापुरूषों की सूची बनाना।
3. पाठ के अन्त में दिए अभ्यास कार्य को करना।</td></tr>
</table>

www.rajteachers.com

<table>
<tr><td>समूह 1 के लिए क्षमता संवर्धन योजना :–</td><td rowspan="3">बालक की प्रगति नोट करना</td><td>पाक्षिक
––––––से ––––––तक</td></tr>
<tr><td>1. कविता याद कर प्रार्थना सभा में सुनाना।
2. कठिन शब्दों के अर्थग्रहण करवाना जैसेः– सँवारें–सजाएँ ; महतारी–माता
आदि। 3. ऐसी ही कविता की सहायक पुस्तकें पढनें के लिए बालकों को देना।</td><td rowspan="10"></td></tr>
<tr><td>समूह 2 के लिए उद्देश्य –
1. कविता का हाव–भाव से वाचन करना।
2. नवीन शब्दों की जानकारी करना।
3. कविता की पंक्तियों को समझकर भावार्थ बता पाना। 4. प्रश्नों के उत्तर देना।</td></tr>
<tr><td>समूह 2 के लिए आवश्यकतानुसार शिक्षण योजना (सामूहिक ; उपसमूह ; व्यक्तिगत)</td><td></td></tr>
<tr><td>सामूहिक कार्य–</td><td rowspan="2">सुनकर समझने का

आकलन करना</td></tr>
<tr><td>1. शिक्षक कठिन शब्दों का उच्चारण करवाएगा तत्पश्चात् कविता का वाचन करते हुए प्रत्तेक
पंक्ति का बालकों को भावार्थ समझाएगा। बालकों से बीच–बीच में प्रश्न पूछकर अर्थग्रहणकी
जाँच भी करेगा। पाठ में आए चित्रों की पहचान करवाना।</td></tr>
<tr><td>उपसमूह में कार्य–</td><td rowspan="2">बालको की सहभागिता एवं 'र' के विभिन्न रूप
की जानकारी का
आकलन करना</td></tr>
<tr><td>1. उपसमूह में शिक्षक बालकों को कविता वाचन का निर्देश देगा।
2. 'र' के विभिन्न रूपों वाले शब्दों को छाँटकर लिखना।
3. कविता का कुछ खण्ड देकर उसका भावार्थ लिखना।</td></tr>
<tr><td>व्यक्तिगत कार्य–</td><td>जाँचना एवं दर्ज करना</td></tr>
<tr><td>1. कविता का उच्चारण करते हुए अनुलेख करना।
2. प्रश्नों के उत्तर करवाना।</td><td></td></tr>
<tr><td>पाक्षिक योजना में अधिगम उपलब्धि –</td><td colspan="2">संस्था प्रधान का अभिमत :–</td></tr>
<tr><td></td><td colspan="2"></td></tr>
</table>